Bareilly, Monday,
21 July 2025
BAREILLY EDITION
Price ₹3.50/-
Pages 10

दैनिक जागरण

PAGE NO, III, BOTTOM

कथक नृत्य की शाम, 'रिमझिम गिरे सावन' की प्रस्तुति

जासं, बरेली : एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार शाम को कथक के गुरु व विद्यार्थियों ने 'रिमझिम गिरे सावन' के नाम कथक नृत्य की शाम का आयोजन किया। कथक विद्यार्थियों ने 'बादल घुमड़ बन आज काली घटा घन घोर गगन में', 'बिजुरी चमके बरसे मेघा', 'बरसे बदरिया सावन की', 'इठलाती बलखाती' और 'बादल गरजत नभ घोरे हे' गीतों पर भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इससे पहले कार्यक्रम के आरंभ में कथक गुरु देबाज्योति नस्कर लिखित 'नाभा घोरे घनघटा' पर कथक के विद्यार्थी करुण्य, नायरा, अवियाना, गौर्वी, ईशान्वी, अवनी, आहाना, नित्या अग्रवाल, गौरिका, गुरनूर, नितारा, नित्या जैन, समीक्षा, अराध्या, सान्वी, वृंदा, मीरा, रिद्य, नित्या, निधि चावला, मधुर कुकरेजा, क्षमा अग्रवाल, प्रियभाषिनी पाठक, सुषमा सिंह और तृप्ता वर्मा ने प्रस्तुति दी। इसके बाद कथक गुरु देबाज्योति नस्कर ने 'गावत सब मल्हार गुंजन' पर अपनी प्रस्तुति दी। कथक गुरु रियाश्री चटर्जी ने 'सावन मोहे तरसाए', कथक गुरु अंशु कुमार शर्मा ने 'घर आई है कारी बदरिया' को कथक के भावों से प्रदर्शित किया।

एसआरएमएस रिद्धिमा में कत्थक नृत्य प्रस्तुत करतीं छात्राएं • सौजन्य रिद्धिमा

'गरज गरज आज मेघ' फ्यूजन पर गुरु देबाज्योति नस्कर, रियाश्री चटर्जी और अंशु कुमार शर्मा ने एक साथ अपनी प्रस्तुति दी। इंस्ट्रूमेंट गुरु हारमोनियम उमेश मिश्रा, तबला वादक अमरनाथ और की-बोर्ड अनुग्रह सिंह ने वाद्ययंत्रों के माध्यम से और गायन गुरु प्रियंका ग्वाल ने अपने स्वरों के जरिये कार्यक्रम 'रिमिझिम गिरे सावन' में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस दौरान एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, डा. एमएस बुटोला, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज कुमार, डा. शैलेश सक्सेना, डा. रीटा शर्मा आदि मौजूद रहे।